C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड – क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×4=8) (1×2=2) [10]

हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं। एक मूर्ति में स्त्री के गर्भ से निकलता एक पौधा दिखाया गया है। विद्वानों के मत में यह पृथ्वी देवी की प्रतिमा है और इसका निकट संबंध पौधों के जन्म और वृद्धि से रहा होगा। इसलिए मालूम होता है कि यहाँ के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे और इसकी पूजा उसी तरह करते थे जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की। लेकिन प्राचीन मिस्र की तरह यहाँ का समाज भी मातृ प्रधान था कि नहीं यह कहना मुश्किल है। कुछ वैदिक सूक्तों में पृथ्वी माता की स्तुति है, धोलावीरा के दुर्ग में एक कुआँ मिला है इसमें नीचे की तरफ जाती सीढ़ियाँ है और उसमें एक खिड़की थी जहाँ दीपक जलाने के सबूत

मिलते है। उस कुएँ में सरस्वती नदी का पानी आता था, तो शायद सिंधु घाटी के लोग उस कुएँ के जरिए सरस्वती की पूजा करते थे।

1. हड़प्पा में किसकी मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं?
   उत्तर : हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं।

2. हड़प्पा के लोग किसे उर्वरता की देवी समझते थे?
   उत्तर : हड़प्पा के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे।

3. हड़प्पा के लोग धरती की पूजा कैसे करते थे?
   उत्तर : हड़प्पा के लोग धरती की पूजा उसी तरह करते थे जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की।

4. वैदिक सूक्तों में किस की स्तुति है?
   उत्तर : कुछ वैदिक सूक्तों में पृथ्वी माता की स्तुति है।

5. सिंधु घाटी के लोग सरस्वती की पूजा की पूजा कैसे करते थे?
   उत्तर : धोलावीरा के दुर्ग में एक कुआँ मिला है इसमें नीचे की तरफ जाती सीढ़ियाँ है और उसमें एक खिड़की थी जहाँ दीपक जलाने के सबूत मिलते है। उस कुएँ में सरस्वती नदी का पानी आता था, तो शायद सिंधु घाटी के लोग उस कुएँ के जरिये सरस्वती की पूजा करते थे।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।
   उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'हड़प्पा' है।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र.2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [1]

बिछौना, घटिया

उत्तर : औना, इया

ख) निम्नलिखित शब्दों के उचित उपसर्ग पहचानिए। [1]

प्रबल, सम्मुख,

उत्तर : प्र, सम्,

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए। [1]

उत्सर्ग, निर्धन

उत्तर : उत्+सर्ग, निर्+धन

घ) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए। [1]

बीसवाँ, सुंगंधित

उत्तर : बीस+वाँ, सुगंध+इत

प्र. 3. निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखें। [4]

1. चार आनों का समूह 2. जीवन पर्यंत 3. खट्टा और मीठा 4. विद्या रूपी धन

विग्रह	समस्त पद	समास
चार आनों का समूह	चवन्नी	द्विगु समास
जीवन पर्यंत	आजीवन	अव्ययीभाव समास
खट्टा और मीठा	खट्टा-मीठा	द्वंद्व समास
विद्या रूपी धन	विद्याधन	कर्मधारय समास

प्र. 4 निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए। [4]

1. आसमान में बादल छाए हुए हैं।

   उत्तर : विधानार्थक वाक्य

2. आप फौरन चले जाइए।

   उत्तर : आज्ञार्थक वाक्य

3. वाह! प्रसन्नता की बात है।

   उत्तर : विस्मयादि बोधक वाक्य

4. आज शायद वह आ जाए।

   उत्तर : संदेहार्थक वाक्य

प्र. 5 निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए। [4]

1. तू मोहन के उरबसी ह्वै उरबसी समान।

   उत्तर : यमक अलंकार

2. छोरटी है गोरटी या अहीर की।

   उत्तर : अनुप्रास अलंकार

3. लो यह लतिका भी भर लाई,

   मधु मुकुल नवल रस गागरी।

   उत्तर : मानवीकरण अलंकार

4. वृक्ष ताड़ का बढ़ता मानो नभ को छूना चाहता

   उत्तर : उत्प्रेक्षा अलंकार

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र.6. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [3×2=6]

झूरी काछी के दोनों बैलों के नाम थे हीरा और मोती। दोनों पछाईं जाति के थे, देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक-भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक, दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाता था, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे, विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हलकी-सी रहती है, जिस पर ज्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता।

क) बैलों के क्या नाम थे?

उत्तर : दोनों बैलों के नाम हीरा और मोती थे।

ख) आशय स्पष्ट कीजिए-

अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय बिना बोले मन के भावों को समझने से है। हीरा और मोती बिना कोई वचन कहे एक-दूसरे के मन की बात समझ जाते थे। प्रायः वे एक दूसरे से स्नेह की बातें सोचते थे। यद्यपि मनुष्य स्वयं को सब प्राणियों से श्रेष्ठ मानता है किंतु

उसमें भी ये शक्ति नहीं होती कि वह दूसरों के मनोभावों को समझ सके।

ग) हीरा-मोती दोनों किस प्रकार से एक-दूसरे के प्रति अपने प्रेम को प्रकट करते थे?

उत्तर : हीरा-मोती दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे। इस प्रकार अपने प्रेम को प्रकट करते थे।

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2×4=8]

1. सर टामस 'हे' के मैना पर दया-भाव के क्या कारण थे?

उत्तर : सर टामस 'हे' की मृत पुत्री मेरी मैना की प्रिय सखी थी। दूसरा कारण यह रहा होगा कि 'हे' मैना के घर आते रहे थे और तब वे मैना को अपनी पुत्री के समान ही प्यार करते थे। मैना के रूप में उन्हें अपनी पुत्री मेरी की छवि दिखाई दी होगी और उनके मन में ममता जाग गई होगी। ये सभी कारण रहे होंगे कि 'हे' के मन में मैना पर दया भाव उत्पन्न हुआ।

2. लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई?

उत्तर : लेखिका को उर्दू-फ़ारसी में बिल्कुल रुचि नहीं थी। उनके शब्दों में- "ये (बाबा) अवश्य चाहते थे कि मैं उर्दू-फ़ारसी सीख लूँ। लेकिन वह मेरे वश की नहीं थी।" इसलिए जब उन्हें उर्दू पढ़ाने के लिए मौलवी साहब घर में आए तो लेखिका चारपाई के नीचे छिप गई।

3. थोंगला के पहले के आख़िरी गाँव पहुँचने पर भिखमंगे के वेश में होने के वावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला जबकि दूसरी यात्रा के समय भद्र वेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका। क्यों?

उत्तर : इसका मुख्य कारण था- संबंधों का महत्त्व। तिब्बत में इस मार्ग पर यात्रियों के लिए एक-जैसी व्यवस्थाएँ नहीं थीं। इसलिए वहाँ जान-पहचान के आधार पर ठहरने का उचित स्थान मिल जाता था। पहली बार लेखक के साथ बौद्ध भिक्षु सुमति थे। सुमति की वहाँ जान-पहचान थी। पर पाँच साल बाद बहुत कुछ बदल गया था। भद्र वेश में होने पर भी उन्हें उचित स्थान नहीं मिला था। उन्हें बस्ती के सबसे गरीब झोपड़ी में रुकना पड़ा। यह सब उस समय के लोगों की मनोवृत्ति में बदलाव के कारण ही हुआ होगा। वहाँ के लोग शाम होते हीं छंङ पीकर होश खो देते थे और सुमति भी साथ नहीं थे।

4. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्याबरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं?

उत्तर : सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह के सामने केरल की साइलेंट-वैली संबन्धी खतरों की बात उठाई होगी। उस समय केरल पर रेगिस्तानी हवा के झोंकों का खतरा मंडरा रहा था। वहाँ का पर्यावरण दूषित हो रहा था। प्रधानमंत्री को वातावरण की सुरक्षा का ध्यान था। पर्यावरण के दूषित होने के खतरे के बारे में सोचकर उनकी आँखें नम हो गई।

5. लेखिका के घर में हिन्दी का वातावरण नहीं था तो उनका किस प्रकार हिन्दी से परिचय हुआ?

उत्तर : लेखिका के घर पर उनके बाबा उर्दू और फ़ारसी जानते थे तो उनके पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी। अत: इस कारण उनके घर में हिन्दी का वातावरण नहीं था परंतु जब उनकी माँ उस घर में आई

तो वह अपने साथ हिन्दी भी लाई क्योंकि वे जबलपुर जैसे हिन्दी प्रदेश की थी। उनकी माँ ने उन्हें पहले-पहल 'पंचतंत्र' पढ़ना सिखाया और इस तरह से लेखिका का हिन्दी से अपनी माँ के द्वारा परिचय हुआ।

प्र. 8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2 x 3 = 6]

माँ की ईश्वर से मुलाकात हुई या नहीं
कहना मुश्किल है
पर वह जताती थी जैसे
ईश्वर से उसकी बातचीत होती रहती है
और उससे प्राप्त सलाहों के अनुसार
जिंदगी जीने और दुख बर्दाश्त करने के
रास्ते खोज लेती है
माँ ने एक बार मुझसे कहा था-
दक्षिण की तरफ
पैर करके मत सोना
वह मृत्यु की दिशा है
और यमराज को क्रुद्ध करना
बुद्धिमानी की बात नही

1. उपर्युक्त कविता का नाम बताइए।
   उत्तर : उपर्युक्त कविता का नाम 'यमराज की दिशा' है।

2. कवि की माँ क्या जताती थी?
   उत्तर : कवि की माँ यह जताती थी जैसे उनकी ईश्वर से रोज बातचीत होती रहती है।

3. कवि की माँ उसे क्या करने के लिए मना करती थी और क्यों?

उत्तर : कवि की माँ उसे दक्षिण दिशा में पैर करके सोने के लिए मना करती थी क्योंकि उनकी माँ के अनुसार वह दिशा मृत्यु की है।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तर : कोयल की कूक सुनकर कवि को ऐसा लगता है जैसे कोयल उसके लिए कोई संदेशा लेकर आई है, संदेशा शायद अति महत्वपूर्ण है इसलिए कोयल ने सुबह होने का भी इन्तजार नहीं किया।

2. आपके विचार से कवि पशु, पक्षी, पहाड़ के रूप में भी कृष्ण का सानिध्य क्यों प्राप्त करना चाहता है?

उत्तर : मेरे विचार से कृष्ण का सानिध्य प्राप्त करने के लिए कवि को पशु, पक्षी तथा पहाड़ बनने में भी कोई संकोच नहीं है। क्योंकि यदि इनमें से वे कुछ भी बनते हैं तो उन्हें हर एक रूप में कृष्ण का सानिध्य ही प्राप्त होगा। रूप चाहे कोई भी धारण करें पर कृष्ण के समीप रहने का उनका प्रयोजन अवश्य सिद्ध हो जाएगा।

3. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

उत्तर : लता ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ की ओट में से देखा क्योंकि एक तो वह बादल को देखने के लिए व्याकुल हो रही थी और दूसरी ओर वह बादलों के देरी से आने के कारण रूठी हुई भी थी।

4. ‘काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?’ कवि की दृष्टि में उसे प्रश्न के रूप में क्यों पूछा जाना चाहिए?

उत्तर : बच्चों की इस स्थिति के लिए समाज जिम्मेवार है। समाज को इस समस्या से जागरूक करने के लिए तथा ठोस समाधान ढूँढने के लिए बात को प्रश्न रूप में ही पूछा जाना उचित होता है। क्योंकि यदि हम इन्हें विवरण की तरह पूछते हैं तो समस्या पर कोई ध्यान नहीं देता।

5. 'मानसरोवर' से कवि का क्या अभिप्राय है?

उत्तर : मानसरोवर से कवि का अभिप्राय है- मनरूपी पवित्र सरोवर, जिसमें स्वच्छ विचारधारा रूपी जल भरा है तथा हंस रूपी जीवात्मा प्रभु भक्ति में लीन होकर मुक्तिरूपी मुक्ताफल चुगते हैं।

प्र.10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. गोपाल प्रसाद विवाह को 'बिजनेस' मानते हैं और रामस्वरूप अपनी बेटी की उच्च शिक्षा छिपाते हैं क्या आप मानते हैं कि दोनों ही समान रूप से अपराधी हैं? अपने विचार लिखिए।

उत्तर : मेरे विचार से दोनों ही समान रूप से अपराधी हैं - गोपाल प्रसाद विवाह जैसे पवित्र बंधन में भी बिजनेस खोज रहे हैं, वे इस तरह के आचरण से इस संबंध की मधुरता, तथा संबंधों की गरिमा को भी कम कर रहे हैं।

रामस्वरूप जहाँ आधुनिक सोच वाले व्यक्ति होने के बावजूद कायरता का परिचय दे रहे हैं। वे चाहते तो अपनी बेटी के साथ मजबूती से खड़े होते और एक स्वाभिमानी वर की तलाश करते न की मज़बूरी में आकर परिस्थिति से समझौता करते।

2. लेखिका पहले पहल अपनी नानी के बारे में क्या जानकारी रखती थी?

उत्तर : पहले पहल लेखिका अपने नानी की विषय में केवल यह जानती थी कि वे पारंपरिक, अनपढ़ और पर्दानशी महिला थी, जिनके पति शादी के बाद तुरंत बैरिस्टर बनने के लिए विलायत चले गए और जब लौटकर आये तो विदेशी रीति-रिवाजों से अपनी जिंदगी बसर करने लगे परंतु इससे लेखिका के नानी के रहन-सहन पर कोई असर न पड़ा न उन्होंने कभी किसी इच्छा-आकांक्षा या पसंद-नापसंद को अपने पति पर जाहिर किया।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

1. ग्लोबल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण)

- ग्लोबल वॉर्मिंग का अर्थ
- कारण
- रोकने के उपाय

ग्लोबल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण) का अर्थ धरती के वातावरण के तापमान में लगातार बढ़ोतरी है। ग्लोबल वॉर्मिंग पृथ्वी की निकटस्थक-सतह वायु और महासागर के औसत तापमान में 20वीं शताब्दीं से हो रही वृद्धि और उसकी अनुमानित निरंतरता है। वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त और परेशान है।

वायु मंडल में प्राकृतिक क्रियाओं के फलस्वरुप गैसों का संतुलन बना रहता है; किंतु आज मनुष्य ने अपने कार्य-कलापों से वायुमंडल को

असंतुलित बना दिया है। मानव निर्मित इन गतिविधियों से कार्बन डायआक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन आक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है जिससे इन गैसों का आवरण सघन होता जा रहा है। यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है जिससे धरती के तापमान में वृद्धि हो रही है।

भूमंडलीय तापमान बढ़ने से हिम, नदियों और पहाड़ों की बर्फ़ तेजी से पिघल रही है। इससे महासागर का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लैशियरों की बर्फ के पिघलने से समुद्रों में पानी की मात्रा बढ़ जाएगी जिससे साल-दर-साल उनकी सतह में भी बढ़ोतरी होती जाएगी। समुद्रों की सतह बढ़ने से प्राकृतिक तटों का कटाव शुरू हो जाएगा जिससे एक बड़ा हिस्सा डूब जाएगा। मौसम चक्र में भी बदलाव आ रहा है। गरमी में अधिक गरमी तथा सरदी में अधिक सरदी पड़ रही है। बिना मौसम के बरसात तथा तूफ़ान आ रहे है।

ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए हम सब को एकजुट होकर इस दिशा कदम बढ़ाने होगे। जंगलों की कटाई को रोकना होगा। हम सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने होगे। पेट्रोल, डीजल और बिजली का उपयोग कम करके हानिकारक गैसों को कम कर सकते हैं। धुआँ निकालने वाली मशीनों का प्रयोग बंद करना होगा।

2. आतंकवाद
    - समस्या
    - कारण
    - समाधान

आज सारे विश्व को आतंकवाद ने घेरा हुआ है। अलग-अलग देशों में हिंसक गतिविधियों के अनेकों कारण हो सकते हैं, परन्तु आमतौर पर यह

प्रतिशोध की भावना से शुरू होती है। धीरे-धीरे अपनी बात मनवाने के लिए आतंकवाद का प्रयोग एक हथियार के रुप में किया जाता है।
तोड़-फोड़, अपहरण, लूट-खसोट, बलात्कार, हत्या आदि करके अपनी बात मनवाते हैं। जहाँ तक हमारे देश का सवाल है, दुःख की बात यह है कि स्वतंत्रता के पश्चात, भारत अपने पड़ोसी देशों की वजह से एक प्रतिकूल वातावरण का सामना कर रहा है। आतंकवाद के अन्य कारणों में से मुख्य कारण धार्मिक असंतुष्टता, शिक्षा का अभाव, जनसंख्या में वृद्धि, देश की व्यवस्था के प्रति असंतुष्टता आदि भी हैं।
आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है जिसकी जड़ें कई देशों में फैलती आ रही है। आतंकवाद ने विश्व के विभिन्न देशों के इतिहास पर बड़ा असर डाला है। उन्होंने राजा महाराजाओं, राजनेताओं, सरकारों और आरंभिक समय में राजवंशों के परिवर्तन को भी प्रेरित किया है।
आतंकवादी घटनाओं ने व्यक्तियों तथा राष्ट्रों के भाग्य को-और शायद इतिहास के रुख को भी बदला है।
भारत बहुत समय से आतंकवाद का शिकार रहा है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, असम, बिहार आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं। भारत में आतंकवाद की शुरुआत उसी दिन से हो गई थी जब नागा विद्रोहियों ने अपना झंडा बुलंद किया था। उसके बाद यह आग त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम होते हुए पंजाब तक पहुँच गई। किसी तरह सख्ती करके पंजाब के आतंकवाद पर काबू पाया, पर देश से आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं हो सका।
आतंकवाद को रोकने के लिए सबसे पहले धर्म की परिभाषा का सही ज्ञान आम लोगों तक पहुँचाना होगा। इसके साथ ही शिक्षा में वह ताकत है जो किसी भी राष्ट्र से आतंकवाद को खत्म करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। व्यक्ति यदि शिक्षित है तो वह गलत और सही में फर्क कर पाएगा। वह किसी के बहकावे में नहीं आएगा। शिक्षा व्यक्ति की सोच और

विचारों में परिवर्तन लाती है। आतंकवाद रोकने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इसके लिए सारे देशों को मिलकर कार्य करना होगा। क्योंकि आज आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या है जिसका उपाय भी सबको मिलजुलकर ही खोजना होगा। अतः थोड़े से सभी के प्रयास से हम इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

3. मनुष्य है वही कि जो मनुष्य के लिए मरे

धर्मशास्त्रों में धर्म का बड़ा महत्त्व है, धर्महीन मनुष्य को शास्त्रकारों ने पशु बतलाया है। मनुष्यता ऐसा धर्म है जिस मार्ग पर चलकर मनुष्य महान कहलाता है और सही मायने में मनुष्य कहलाने का अधिकारी भी होता है। विश्व में प्रेम, शांति, व संतुलन के साथ-साथ मनुष्य जन्म को सार्थक करने के लिए मनुष्य में मानवीय गुणों का होना अति आवश्यक है।

यही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।
कवि- मैथलीशरण गुप्त

'मनुष्यता' कविता में कवि कर्ण, दधीचि ऋषि, रंतिदेव, राजा उशीनर आदि महानुभूतियों का उदाहरण देकर मनुष्य को लोकहित के लिए प्रेरित करते हैं। वह कहते हैं, जो मनुष्य इस संसार में दूसरों की सेवाभाव में अपना जीवन समर्पित करते हैं, वे इस संसार के द्वारा ही नहीं अपितु भगवान के द्वारा भी पूज्यनीय होते हैं।

जो मनुष्य अपने लिए जीता है, वह पृथ्वी में पशु के समान है। क्योंकि पशु के जीवन का उद्देश्य खाना और सोना होता है। भगवान ने मनुष्य को सामर्थ्यवान बनाया है। मनुष्य दूसरों की सेवा करने के स्थान पर पूरा जीवन स्वयं का भरण-पोषण करने में व्यर्थ करता है, तो वह मनुष्य कहलाने लायक नहीं है।

प्राचीनकाल से ही ऋषि-मुनियों द्वारा लोगों को परोपकार करने के लिए कहा जाता है। वही मनुष्य परोपकार कर सकता है, जिसके अंदर

इंसानियत या मानवता का गुण विद्यमान है। दुनिया में शांति, अहिंसा, सहनशीलता, भाई चारे का संदेश फैलाना चाहिए। पेड़-पौधों, हरियाली, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए है। सभी पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं के प्रति करूणा की भावना रखनी चाहिए। सब पर दया करना। मनुष्यता एक इंसान का दूसरे इंसान पर विश्वास बनाती है। प्रेम, भाईचारे का भाव फैलाती है।

प्र.12. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. अपने छोटे भाई के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए बधाई देते हुए पत्र लिखें।

फुले छात्रावास

दिल्ली पब्लिक स्कूल

दिल्ली

दिनाँक- 5 अप्रैल, 20 xx

प्रिय मोहित

स्नेह।

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ। कल ही पिताजी का पत्र मिला। घर के सभी लोगों की कुशलता के साथ-साथ तुम्हारा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम भी ज्ञात हुआ। यह तुम्हारे कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम भविष्य में भी इसी तरह सफलता अर्जित करोगे। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि सफलता सदैव तुम्हारे कदम चूमे। पत्र के साथ ही पुरस्कार स्वरूप कहानी की किताबें भेज रहा हूँ। माँ और पिताजी को प्रणाम,चीनी को प्यार कहना।

तुम्हारा बड़ा भाई

अमोल

अथवा

2. अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर को ठीक से डाक वितरण न होने की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र लिखिए।

अमर कौशिक

मकान नं. 10

नकुलविहार

नई दिल्ली- 110 035

दिनाँक- 18 जुलाई 20XX

मुख्य डाकपाल

मुख्य डाकघर

कश्मीरी गेट

नई दिल्ली

विषय : डाक की उचित व्यवस्था के लिए आग्रह

माननीय महोदय,

मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र, नकुल विहार, में डाक-वितरण की अवस्था की ओर दिलाना चाहता हूँ। आपके क्षेत्र में डाक-वितरण की व्यवस्था नितान्त शोचनीय है। कुछ दिनों से हमारी डाक समय पर नहीं मिल रही है। साधारण पत्र दो सप्ताह के बाद प्राप्त होते है। कई बार पता सही और स्पष्ट लिखा होने के बावजूद पत्र गलत जगह पड़े हुए मिले हैं।

आशा है कि आप शीघ्र उपयुक्त बातों पर ध्यान देकर उचित कार्यवाही करें ताकि डाकिया फिर ऐसी लापरवाही न करें।

सधन्यवाद

भवदीय

अमर कौशिक

प्र.13. निम्नलिखित किसी एक विषय पर 25-30 शब्दों में संवाद लेखन करें। [5]

1. पिंजरे में बंद दो पक्षियों के बीच बातचीत पर संवाद लेखन लिखिए।

तोता : सोन चिड़िया क्या हाल चाल है?

सोन चिड़िया : क्या हाल होगा तोता भैया। बस जी रहे हैं।

सोन चिड़िया : तोता भैया, "ये मनुष्य हम आकाश में उड़ने वाले परिंदों को क्यों कैद करके रखते हैं? हम लोगों ने इनका क्या बिगाड़ा है?"

तोता : कुछ नहीं सोन चिड़िया, "ये मनुष्य बड़े मतलबी होते हैं। अपने मन-बहलाव के लिए ये हमें इस तरह कैद करके रखते हैं।"

सोन चिड़िया : कभी इन्हें पिंजरे में रहना पड़े तो पता चले।

तोता : हाँ! 'सोन चिड़िया मजा ही आ जाएगा।"

2. एक यात्री और टिकिट विक्रेता के बीच हो रहे संवाद लिखिए।

यात्री : नमस्ते।

टिकिट विक्रेता : नमस्ते।

यात्री : क्या मुझे आज रात को जयपुर जाने वाली किसी गाड़ी की दो कन्फर्म टिकिट मिल सकती है?

टिकिट विक्रेता : नहीं सर।

यात्री : कल की मिलेगी?

टिकिट विक्रेता : नहीं सर। आप चाहे तो तत्काल कोटा में कल सुबह आकर देख लेना।

यात्री : तत्काल के दाम तो ज्यादा होगे न?

टिकिट विक्रेता : हाँ।

यात्री : ठीक है। धन्यवाद।